

00642

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2012

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-010 : EPISTEMOLOGY

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All question carry equal marks.*
(iii) *Answer to question nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Explain knowledge as justified true belief. 20

OR

What is truth ? How do you distinguish between the coherence and correspondence theories of truth ? 20

2. Explain the meaning and structure of Anumana (Inference) with example. 20

OR

Critically examine the theory of knowledge according to Hume. 20

- 7
3. Answer *any two* of the following in about 200 words each :
- (a) Explain the existentialistic revolt against the Mirroring Mind. 10
 - (b) Explain the fundamental assumption of Epistemology. 10
 - (c) According to Descartes, how do we reach at certain knowledge about God and the external world ? 10
 - (d) Distinguish between Rationalism and Empiricism. How does Kant synthesize the two ? 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each :
- (a) Make clear the distinction between Nirvikalpa Pratyaksa and Savikalpaka Pratyaksa. 5
 - (b) What is standpoint theory ? 5
 - (c) Describe the scope of Epistemology. 5
 - (d) What is the understanding of Sabda in Mimamsa School of thought. 5
 - (e) Distinguish between apriori and aposteriori knowledge. 5
 - (f) What do you understand by certitude ? 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each :

- | | |
|---------------------|---|
| (a) Impression | 4 |
| (b) Innate ideas | 4 |
| (c) Noumena | 4 |
| (d) Verification | 4 |
| (e) Justification | 4 |
| (f) Syllogism | 4 |
| (g) Foundationalism | 4 |
| (h) Praxis | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- टिप्पणी :**
- (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
 - (ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
 - (iii) पहले एवं दूसरे प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. प्रमाणिक सत्य विश्वास के रूप में ज्ञान की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

सत्य क्या है? आप सत्य के संसक्तता सिद्धांत और संवादिता सिद्धांत के मध्य कैसे अन्तर करेंगे? विस्तार से समझाएं। 20

2. अनुमान के अर्थ एवं संरचना को उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

ह्यूम के ज्ञान-सिद्धांत का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :
- (a) प्रतिबिम्बित मन सिद्धांत के विरुद्ध अस्तित्ववादियों के विरोध का विवरण दीजिए। 10
- (b) ज्ञान मीमांसा को आधारभूत परिकल्पनाओं की व्याख्या कीजिए। 10
- (c) देकति के अनुसार मानव कैसे ईश्वर और बाह्य जगत के सम्बंध में निश्चित ज्ञान प्राप्त करता है? 10
- (d) बुद्धिवाद और अनुभववाद के मध्य अन्तर समझाएं। कांट कैसे इन दोनों के मध्य समन्वय स्थापित करता है? स्पष्ट कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
- (a) निर्विकल्प प्रत्यक्ष और सविकल्प प्रत्यक्ष के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5
- (b) दृष्टिकोण सिद्धांत (standpoint theory) क्या है? 5
- (c) ज्ञान मीमांसा के विषय-क्षेत्र का वर्णन कीजिए। 5
- (d) मीमांसा दर्शन 'शब्द' से क्या समझते हैं? 5
- (e) पूर्वानुभविक एवं उत्तरानुभविक ज्ञान के मध्य अन्तर कीजिए। 5
- (f) निश्चितता (certitude) से आप क्या समझते हैं? 5

5. किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

- | | |
|---------------------------------------|---|
| (a) सम्बेदन छाप | 4 |
| (b) सहजात प्रत्यय | 4 |
| (c) परम सत् (Noumena) | 4 |
| (d) सत्यापन | 4 |
| (e) प्रमाणीकरण (Justification) | 4 |
| (f) न्यायवाक्य | 4 |
| (g) मूल सिद्धांतवाद (Foundationalism) | 4 |
| (h) आचरण (Praxis) | 4 |
-